आकाशवाणी श्री विजयपुरम

17.03.2025 समय : 1850

- राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने आज भारतीय नौसेना सामग्री प्रबंधन सेवा और भारतीय नौसेना आयुध सेवा के प्रशिक्षु अधिकारियों के साथ मुलाकात की।

- अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर नौ महीने से अधिक समय से फंसे दो अमरीकी अंतरिक्ष यात्री कल रात पृथ्वी पर लौट आएंगे।

- परिवहन विभाग की ओर से सड़क सुरक्षा जागरूकता शिविर का आयोजन– परिवहन निदेशक डॉ. जतिंदर सोहल ने सभी से यातायात नियमों का पालन करने की अपील की।

- जहाज एम वी सेंटिनल सत्ताईस मार्च को अब कैम्पबेल बे तक की यात्रा पर जाएगा।

<><><><><><><><>

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा है कि ऐसे समय में जब वैश्विक भू–राजनीतिक तनाव बढ़ रहा है, देश समुद्री सहयोग बढ़ा रहे हैं और संयुक्त अभ्यास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वैश्विक मंच पर भारत की बड़ी भूमिका के साथ, नौसेना सामग्री प्रबंधन सेवा और नौसेना आयुध सेवा के अधिकारी भारतीय नौसेना का समर्थन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। राष्ट्रपति ने आज राष्ट्रपति भवन में भारतीय नौसेना सामग्री प्रबंधन सेवा और भारतीय नौसेना आयुध सेवा के प्रशिक्षु अधिकारियों के साथ बातचीत करते हुए यह बात कही। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने अधिकारियों को दुनिया भर में हो रहे नवीनतम तकनीकी विकास के बारे में अपने ज्ञान को लगातार अपडेट करने की सलाह दी। उन्होंने अधिकारियों से राष्ट्र और भारतीय नौसेना की सेवा के लिए खुद को समर्पित करने का भी आग्रह किया।

<><><><><><><><>

अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन–आई एस एस पर नौ महीने से अधिक समय से फंसे दो अमरीकी अंतरिक्ष यात्री कल रात पृथ्वी पर लौट आएंगे। नासा ने एक बयान में कहा कि सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर को एक अमरीका के तथा रूस के एक अन्य अंतरिक्ष यात्री सहित स्पेस एक्स क्रू ड्रैगन क्राफ्ट से घर लाया जाएगा। दोनों अंतरिक्ष यात्री जून से आई एस एस पर फंसे हुए हैं। ये दोनों बोइंग स्टारलाइनर अंतरिक्ष यान की परीक्षण उड़ान पर अपनी पहली यात्रा पर गए थे। इस उड़ान में प्रोपल्शन संबंधी गड़बड़ियाँ उत्पन्न होने के कारण इसे पृथ्वी पर वापस लौटने के लिए अन–उपयुक्त माना गया था। नासा के अंतरिक्ष यात्री निक हेग और रोस्कोस्मोस अंतरिक्ष यात्री अलेक्जेंडर गोरबुनोव भी ड्रैगन कैप्सूल पर वापस लौटेंगे। एक दिन की यात्रा पर गए विल्मोर और विलियम्स नौ महीने तक अंतरिक्ष में फंसे रहे। उनके लौटने के साथ ही दोनों की कठिन परीक्षा का अंत हो जाएगा। इन दोनों अंतरिक्ष यात्रियों का अंतरिक्ष में प्रवास छह महीने के मानक आई एस एस रोटेशन की तुलना में काफी लंबा रहा।

<><><><><><><><>

दूरसंचार विभाग ने 5–जी इनोवेशन हैकथॉन दो हजार पच्चीस की घोषणा की है, इसका उद्देश्य सामाजिक और औद्योगिक चुनौतियों का समाधान करने के लिए अभिनव 5–जी–संचालित तकनीक के विकास में तेजी लाना है। यह पहल छात्रों, स्टार्टअप और पेशेवरों को सौ से अधिक 5–जी यूज़ केस लैब्स के फंडिंग और पहुँच में मदद प्रदान करेगा, जिससे प्रतिभागियों को दूरदर्शी विचारों को स्केलेबल तकनीकों में बदलने में मदद मिलेगी। संचार मंत्रालय ने बताया है कि इस हैकथॉन के माध्यम से 5–जी अनुप्रयोगों के अंतर्गत ए आई–संचालित नेटवर्क रखरखाव, इंटरनेट ऑफ थिंग्स–सक्षम समाधान, 5–जी प्रसारण, स्मार्ट स्वास्थ्य, कृषि, औद्योगिक स्वचालन और अन्य पर केंद्रित प्रस्ताव आमंत्रित करता है। हैकथॉन के तहत प्रतिभागियों को अपने नवाचारों को आगे बढाने में मदद प्रदान की जाएगी। मंत्रालय ने बताया है कि विजेताओं को पुरस्कार भी दिये जाएंगे, जिसमें प्रथम स्थान के लिए पांच लाख रुपये,

दूसरे स्थान के लिए तीन लाख रुपये और तीसरे स्थान के लिए डेढ़ लाख रुपये शामिल हैं। इसके अलावा, सर्वश्रेष्ठ आइडिया और सबसे नवीन प्रोटोटाइप को पचास हजार रुपये की राशि मिलेगी।

<><><><><><><>

द्वीपसमूह में सड़क दुर्घटना में बढ़ोत्तरी को देखते हुए श्री विजयपुरम के परिवहन विभाग द्वारा ओग्राब्राज में हाल ही में एक दिवसीय सड़क सुरक्षा जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का आयोजन मीठाखाड़ी तथा टुसनाबाद पंचायतों की सहायता से किया गया। सड़क सुरक्षा जागरूकता शिविर तथा परिवहन विभाग आपके द्वार कार्यक्रम का उद्घाटन परिवहन निदेशक डॉ. जतिंदर सोहल ने किया। अपने संबोधन में उन्होंने सड़क सुरक्षा के नियमों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने विशेष रूप से युवाओं को दुपहिया वाहनों पर सावधानीपूर्वक सवारी करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने सभी सड़क उपयोगकर्ताओं से यातायात नियमों का सही तरीके से पालन करने की अपील की। परिवहन निदेशक ने कहा कि प्रशासन का लक्ष्य सभी सेवाओं को नागरिकों तक पहुंचाना है। मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त डी एस पी मोहम्मद असलम ने यातायात उल्लंघनकर्ताओं की सामान्य आदतों और नियमित यातायात उल्लंघन के कारणों पर अपने विचार साझा किए। मीठाखाड़ी पंचायत प्रधान मोहम्मद शफीक और टुसनाबाद पंचायत प्रधान आनंद अमृत राज ने सड़क सुरक्षा पर जागरूकता पैदा करने में परिवहन विभाग के प्रयासों की सराहना की। प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र टुसनाबाद के चिकित्सा अधिकारी ने बहुमूल्य जीवन को बचाने के लिए सड़क दुर्घटना पीड़ितों को तुरंत अस्पताल पहुंचाने की आवश्यकता पर बल दिया। इस अवसर पर सड़क सुरक्षा विषय पर एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें पांच पंचायतों की टीमों ने भाग लिया। शिविर में प्रतिभागियों ने पंजीकरण और ड्राइविंग लाइसेंस से संबंधित अन्य सुविधाओं का भी लाभ उठाया।

<><><><><><><>

दिव्यांजनों के कौशल विकास के लिए राष्ट्रीय कार्य योजना के तहत मानक संचालन प्रक्रिया में संशोधन किया गया है। इस संशोधित एस ओ पी का उद्देश्य दिव्यांगजनों के लिए कौशल प्रशिक्षण की दक्षता और पारदर्शिता को बढ़ाना है, ताकि कार्यबल में उनके समावेश के लिए बेहतर परिणाम सुनिश्चित हो सकें। इसमें इच्छुक सरकारी और गैर–सरकारी संगठन पीएम–दक्ष–डी ई पी डब्ल्यू डी पोर्टल के माध्यम से रुचि की अभिव्यक्ति या परियोजना विशिष्ट प्रस्ताव प्रस्तुत कर सकते हैं। राष्ट्रीय कार्य योजना एक समर्पित कौशल विकास कार्यक्रम है, जिसका उद्देश्य दिव्यांगजनों पर ध्यान केंद्रित करते हुए उच्च गुणवत्ता वाला व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान करना है, ताकि उन्हें रोजगार प्राप्त करने में सक्षम बनाया जा सके। अधिक जानकारी संशोधित एसओपी के साथ राष्ट्रीय कार्य योजना के पोर्टल पर उपलब्ध हैं।

<><><><><><><>

प्रशासनिक कारणों से जहाज एमवी सेंटिनल की सत्ताईस मार्च की लिटिल अंडमान, कार निकोबार, चौरा, तेरेसा और कच्छाल होते हुए ननकौड़ी की यात्रा कार्यक्रम में संशोधन किया गया है। अब यह जहाज कैम्पबेल बे तक की यात्रा करेगा। जहाज सत्ताईस मार्च को सुबह सात बजे हैडो जेट्टी से छूटेगा और इसकी वापसी तीस मार्च को रात्रि आठ बजे इन्हीं मार्गों से होते हुए श्री विजयपुरम के लिए होगी।

<><><><><><><>

श्री विजयपुरम के फ्लैग प्वाइंट से कार्बाइंस कोव तक की ईस्ट कोस्ट रोड के विकासीय कार्य के चलते गवर्मेंट प्रेस से सिंक्लेयर जंक्शन तक की सड़क वाहनों की आवाजाही के लिए बंद रहेगी। पच्चीस मार्च तक वाहनों को सर्किट हाउस मार्ग का उपयोग करना होगा।

<><><><><><><>

मुख्य सचिव के निर्देशानुसार सभी विभागों में तिमाही मॉक ड्रिल के अनुपालन के हिस्से के रूप में, आपदा प्रबंधन निदेशालय की ओर से आज श्री विजयपुरम के ग्रामीण विकास और पंचायत निदेशालय में बनावटी अभ्यास का आयोजन किया गया। इस अभ्यास में जिला प्रशासन, पुलिस, स्वास्थ्य, अग्निशमन, एन डी आर एफ और बिजली विभाग शामिल हुए। अभ्यास के बाद डीब्रीफिंग सत्र आयोजित किया गया, जिसके दौरान सभी पर्यवेक्षकों ने अधिकारियों और कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी की सराहना की। उन्होंने विभाग से सभी कर्मचारियों को बुनियादी जीवन रक्षक प्रशिक्षण प्रदान करने का भी आग्रह किया, ताकि उनकी सुरक्षा सुनिश्चित हो सके और वे आपात स्थिति के दौरान प्रभावी ढंग से सेवा प्रदान कर सकें ।

<><><><><><><>